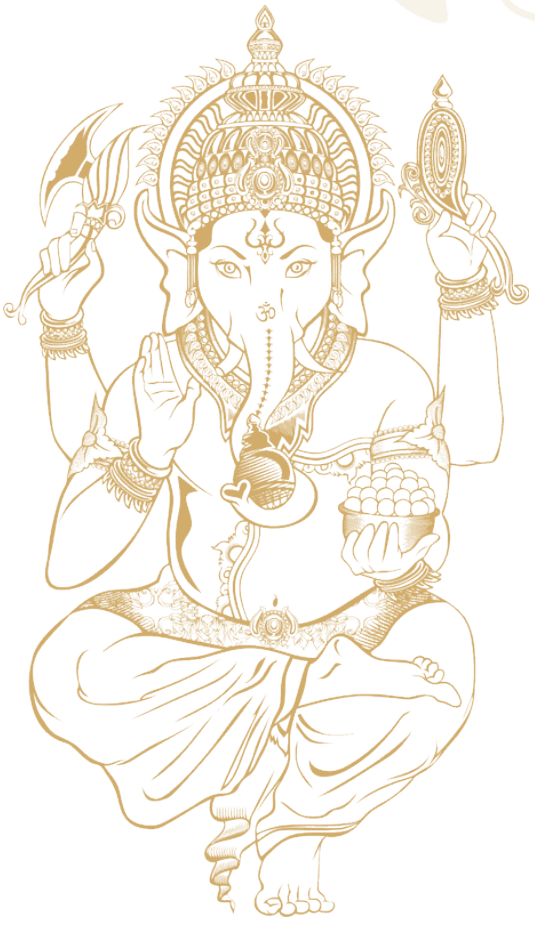

Mr.sudhir kumar

06 May 1997

06:00 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121299302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/05/1997**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**06:00:00 घंटे**
इष्ट	02:29:34 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:20:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:23 घंटे
साम्पातिक काल	21:15:54 घंटे
सूर्योदय	05:00:10 घंटे
सूर्यास्त	18:12:57 घंटे
दिनमान	13:12:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:42:45 मेष
लग्न के अंश	07:32:14 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	चतुष्पाद
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	07:32:14	386:45:00	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
सूर्य			मेष	21:42:45	00:58:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			मेष	10:35:25	14:13:18	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	23:19:32	00:05:51	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध	व	अ	मेष	05:56:47	00:12:44	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मक	26:14:14	00:06:14	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			वृष	00:23:34	01:13:54	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि			मीन	20:48:58	00:06:50	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	04:03:12	00:05:14	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	04:03:12	00:05:14	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:49:59	00:00:21	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	06:08:02	00:00:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:55:51	00:01:32	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			मक	22:41:53	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:09

लग्न-चलित

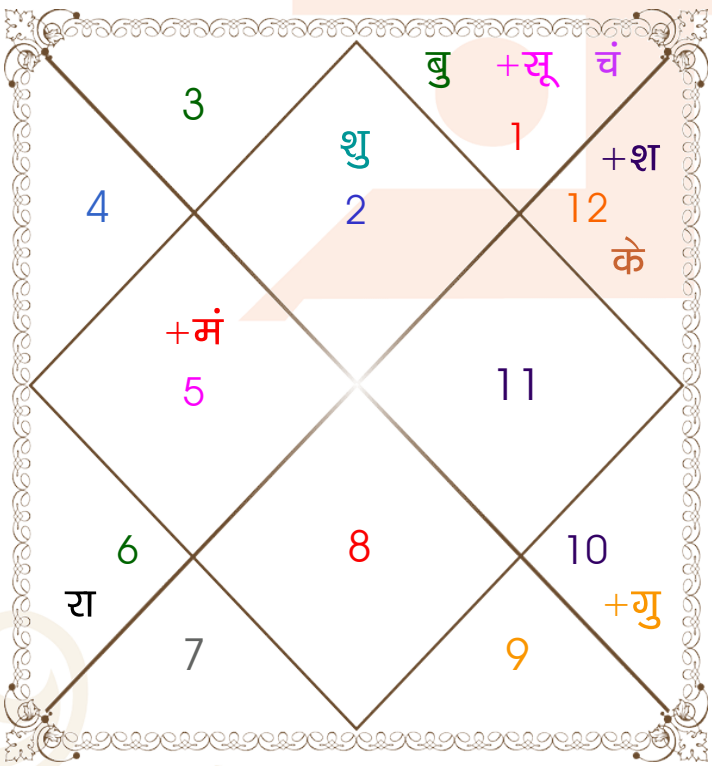

चन्द्र कुंडली

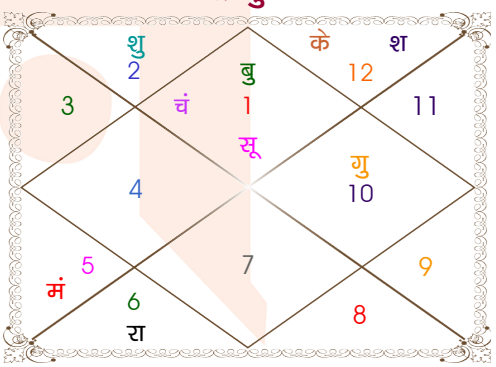

नवमांश कुंडली

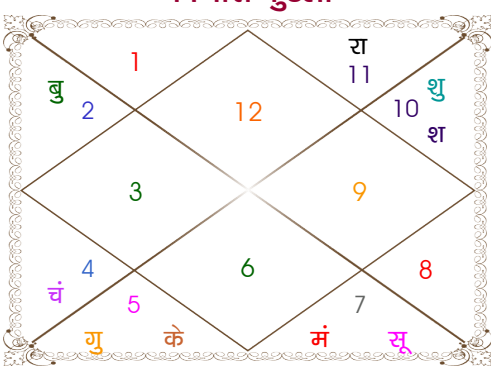

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 5 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/05/1997		14/10/1998		14/10/2018		13/10/2024		14/10/2034	
14/10/1998		14/10/2018		13/10/2024		14/10/2034		13/10/2041	
	00/00/0000	शुक्र	12/02/2002	सूर्य	31/01/2019	चंद्र	14/08/2025	मंगल	12/03/2035
	00/00/0000	सूर्य	12/02/2003	चंद्र	02/08/2019	मंगल	15/03/2026	राहु	29/03/2036
	00/00/0000	चंद्र	13/10/2004	मंगल	08/12/2019	राहु	14/09/2027	गुरु	05/03/2037
	00/00/0000	मंगल	13/12/2005	राहु	01/11/2020	गुरु	13/01/2029	शनि	14/04/2038
	00/00/0000	राहु	13/12/2008	गुरु	20/08/2021	शनि	14/08/2030	बुध	11/04/2039
	00/00/0000	गुरु	14/08/2011	शनि	02/08/2022	बुध	13/01/2032	केतु	07/09/2039
	06/05/1997	शनि	14/10/2014	बुध	08/06/2023	केतु	13/08/2032	शुक्र	07/11/2040
शनि	17/10/1997	बुध	14/08/2017	केतु	14/10/2023	शुक्र	14/04/2034	सूर्य	14/03/2041
बुध	14/10/1998	केतु	14/10/2018	शुक्र	13/10/2024	सूर्य	14/10/2034	चंद्र	13/10/2041

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/10/2041		14/10/2059		14/10/2075		14/10/2094		15/10/2111	
14/10/2059		14/10/2075		14/10/2094		15/10/2111		00/00/0000	
राहु	26/06/2044	गुरु	01/12/2061	शनि	17/10/2078	बुध	11/03/2097	केतु	12/03/2112
गुरु	19/11/2046	शनि	13/06/2064	बुध	26/06/2081	केतु	09/03/2098	शुक्र	12/05/2113
शनि	25/09/2049	बुध	19/09/2066	केतु	05/08/2082	शुक्र	07/01/2101	सूर्य	17/09/2113
बुध	14/04/2052	केतु	26/08/2067	शुक्र	04/10/2085	सूर्य	14/11/2101	चंद्र	18/04/2114
केतु	02/05/2053	शुक्र	26/04/2070	सूर्य	16/09/2086	चंद्र	15/04/2103	मंगल	14/09/2114
शुक्र	02/05/2056	सूर्य	12/02/2071	चंद्र	17/04/2088	मंगल	12/04/2104	राहु	03/10/2115
सूर्य	27/03/2057	चंद्र	13/06/2072	मंगल	26/05/2089	राहु	30/10/2106	गुरु	08/09/2116
चंद्र	25/09/2058	मंगल	20/05/2073	राहु	01/04/2092	गुरु	04/02/2109	शनि	07/05/2117
मंगल	14/10/2059	राहु	14/10/2075	गुरु	14/10/2094	शनि	15/10/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 5 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ है। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न में मीन का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण उदित था। उपयुक्त लग्न नवमांश के प्रभाव से आप जब मानवीय जीवन में प्रवेश किए अर्थात् बाल्यकाल से ही आपका जीवन अच्छे विचार से प्रारंभ हुआ। यथा उत्तम प्रकार का भोजन, उदार भावना, उत्कृष्ट साज-श्रृंगार पहनावा आदि अन्य व्यक्तियों को प्रभावित करता है। आप काम शक्ति भावना से प्रेरित हैं, तथा आप अपनी संपत्ति को यथा संभव अखंडित एवं अपव्यय रहित धन कोष की वृद्धि के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहने का ज्ञान आप में विद्यमान है। आप धन की महत्ता को भलीं प्रकार जानते हैं, तथा धन संचयन को महत्व देते हैं। आप अपने धन का निवेश एवं व्यय के प्रति अत्यंत सतर्क रहेंगे। तथापि आपकी एक छोटी यह समस्या है कि अकस्मात् आप ठीक निर्धारित समय पर काम के प्रति आलस्य ग्रस्त हो जाते हैं, तथा शीघ्र ही उस कार्य को सुलभ और आसान समझ लेते हैं। आपको इस प्रकार की मनोवृति में बदलाव लाना अर्थात् दमन करना आवश्यक है।

यद्यपि आप सांसारिक सुखों से युक्त, धन से संपन्न एवं अत्यधिक सुसंस्कृत हैं। आप बहुत बड़े धार्मिक तथा धर्मस्थलों की यात्रा भी करते रहते हैं। आप अब तक निश्चित रूप से कई आंशिक यात्रा के क्रम में सामुद्रिक यात्रा करके बहुत व्यापाक रूप से मित्र बनाए हैं और बहुत मात्रा में देश और विदेश के क्षेत्रों में आपके कई घनिष्ट मित्र बन चुके हैं। वे लोग आपके कार्य-कलाप में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आप भी उन मित्रों के साथ सहयोगात्मक भावना से यदा-कदा उनकी सहायता के लिए समय-समय पर निश्चित रूप से जाते हैं।

आप मध्यम कद के उन्नत लालट एवं चमकीली आखों से युक्त हैं। आप अधिक समय तक सुंदर स्वास्थ्य से युक्त एवं आनंद प्राप्त करते रहेंगे। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उपस्थित होंगी। यथा मस्तिष्क ज्वर, कब्जीयत फोड़ा फुंसी एवं रक्त दोष से आशंत होंगे। आपको एक बार बीमार होने से परेशानी उपस्थित होगी कि आप दीर्घकालीन रोगग्रत होंगे तथा आपके दौर्बल्यता के कारण बेहोश भी हो जाया करेंगे, तथा आपको स्वास्थ्य लाभ की क्षमता सीमित मात्रा में रहेगी। अतएव आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अन्यथा इस प्रकार ऐसा संभाव्य है कि आप रोग से मुक्त नहीं हो सकेंगे। आपके द्वारा पसंद किया गया जीवन साथी के साथ पूर्ण रूपेण बहुत दिनों तक आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु एक बार अपनी इच्छानुसार आश्वस्त होकर सामंजस्य कर लें तो जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा तथा पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सामान्यतः आपको निर्देश है कि आपका प्रभाव बृष राशीय दृष्टिकोण से प्रभावित है अतः आपके लिए बृश्चिक, मीन, कन्या एवं मकर राशि के व्यक्ति अनुकूल रहेंगे। यदि आप इन राशि वालों से संबंधित रहे तों आपका भौतिकी जीवन सुखमय एवं मधुर रहेगा।

अंततः आप बहुत अधिक सचेत व्यक्ति हैं, अस्तु आपको निम्नलिखित विषयों पर ध्यान देना आवश्यक है।

आप लाल रंग का उपयोग अपने जीवन में कदापि नहीं करें। क्योंकि यह रंग आपके लिए प्रतिकूल है। आपके लिए हरा, गुलाबी, एवं सफेद रंग जन्म प्रभाव से अनुकूल है।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक पूर्ण रूपेण प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त अंक 7 एवं 8 अंक आपके लिए आकर्षक है। अंक-1, 3, 4 एवं 6 अंक आपके लिए निष्क्रिय दिन हैं।